हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर-सीरीज

कालिदास



लेखक

महामहोपाध्याय वासुदेव विष्णु मिराशी, एम० ए०
भूतपूर्व अध्यक्ष, संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग,
नागपुर विश्वविद्यालय



हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर (प्राइवेट) लिमिटेड, बम्बई.

प्रकाशक—
नाथूराम प्रेमी, मैनेजिंग डायरेक्टर
हिन्दी-ग्रन्थ रत्नाकर (प्राइवेट) लिमिटेड
हीराबाग, गिरगाँव, बम्बई ४

द्वितीय सशोधित परिवर्द्धित सस्करण
सितम्बर, १९५६

मूल्य चार रुपया

मुद्रक—
रघुनाथ दिपाजी देसाई,
न्यू भारत प्रिंटिंग प्रेस,
केलेवाडी, गिरगाँव, बम्बई ४